''आज देश को गांधी की सबसे ज्यादा जरूरत है'' 1
कला और साहित्य का आपसी तालमेल 1
हिन्दी नाट्य महोत्सव-2018 2
युवा संसद 2018 3
अंग्रेजी नाट्य महोत्सव 3
आगरा : पर्यटन की चुनौतियाँ, संभावनाएँ और सुझाव 4
ग़ालिब आगरा की सांस्कृतिक विरासत 5
मूल्य और गुणवत्ता दिवस 5
कला संकाय 6
आर. ई. आई. इण्टर कॉलेज 6
प्रेम विद्यालय 7
एन.सी.सी. 8

दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट (डीम्ड यूनिवर्सिटी)
दयालबाग़, आगरा (उ. प्र.)

डी.ई.आई. समाचार

अक्टूबर–दिसम्बर 2018
अंक 14

''आज देश को गांधी की सबसे ज्यादा जरूरत है'' -प्रो. सुधीर चन्द्र

आगरा, 3 अक्टूबर, 2018 आज देश को गांधी की सबसे ज्यादा जरूरत है, जबकि आज ही देश इसके लिए सबसे कम तैयार भी है। आज जब पूरी दुनिया हिंसा से त्रस्त है और लगातार हिंसा बढ़ रही है और यह हिंसा हमारे व्यक्तिगत जीवन में भी समाहित हो चुकी है, तब गांधी के अलावा दूसरा रास्ता क्या है? उपरोक्त बातें 'गांधी आज प्रासंगिकता और संभावना' विषय पर दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट में कला संकाय एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित गांधी जयंती समारोह के अवसर पर प्रसिद्ध इतिहासकार प्रो. सुधीर चन्द्र ने कहीं। कार्यक्रम की शुरुआत संगीत विभाग की छात्राओं द्वारा गांधीजी के प्रिय भजनों 'वैष्णव जन तो तेने कहिए' तथा 'रघुपति राघव राजाराम' के गायन से हुई। सुधीरचन्द्र ने गांधी के सपनों का भारत तथा गांधी दर्शन एवं अहिंसा आदि पर विस्तृत बातचीत की। उन्होंने अपने बचपन की यादों और आगरा से अपने सम्बन्धों की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि गांधी अपनी अंतिम दिनों में अहिंसा को लेकर बहुत निराश थे, उन्हें यह इल्म हो चुका था कि वे जिसे अहिंसा का दर्शन कह रहे थे दुनिया उसे केवल निष्क्रिय प्रतिरोध समझ

रही थी। गांधी विकास की इकाई गांव को मानते थे और वे दुनिया के सामने विकास का वैकल्पिक मॉडल प्रस्तुत करते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रख्यात शिक्षाविद् प्रो. आर. एन. मेहरोत्रा ने गांधी के संदर्भ में अपने छात्र-जीवन के अनुभव साझा किये तथा लोगों को गांधी साहित्य पढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में कला संकाय प्रमुख प्रो. जे. के. वर्मा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि गांधी इस देश की जरूरत हैं और गांधी को अपनाने के अलावा हमारे पास अन्य कोई विकल्प नहीं है। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी विभाग के डॉ. बृजराज सिंह ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रेमशंकर ने किया। इस अवसर पर प्रसिद्ध उपन्यासकार गीतांजलि श्री एवं दीप्ति प्रिया मेहरोत्रा भी उपस्थित रहीं।

कला और साहित्य का आपसी तालमेल - अशोक भौमिक द्वारा व्याख्यान

दो दिवसीय व्याख्यान 23-24 अक्टूबर 2018

दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट के कला संकाय में 'कला और साहित्य का आपसी तालमेल' विषय पर बोलते हुए प्रसिद्ध चित्रकार और कथाकार अशोक भौमिक ने कहा कि क्या कारण है कि मंदिरों में चित्र-मूर्ति देखने तो हजारों की संख्या में लोग जाते हैं पर कला वीथिकाएँ निर्जीव पड़ी हुई हैं। इसका कारण यही है कि हमने कला को जीवन की जरूरत के रूप में नहीं बल्कि आध्यात्मिक जरूरत के रूप में ही ज्यादातर अपनाया जबकि इसके विपरीत पश्चिमी कला की दृष्टि ज्यादा भौतिकवादी रही है। भारतीय कला के इतिहास का विस्तार से वर्णन करते हुए अशोक भौमिक ने कहा कि मनुष्य ने अपने श्रम के निशान गुफाओं और पत्थरों पर छोड़े हैं। गुफा चित्रों में पुरुषों के हाथों के निशान के बीच महिलाओं के हाथों के निशान भी मिलते हैं। इसे स्टेंसिल

चित्रकारी का पूर्व रूप भी कह सकते हैं। यह तब की कला है जब सभ्यता के पास भाषा नहीं थी पर भाव चित्र थे।

प्रथम दिवस के कार्यक्रम का संचालन डॉ. मीनाक्षी ने किया। जनमत पत्रिका के सम्पादक रामजी राय, कला संकाय के डीन प्रो. जे. के. वर्मा, प्रो. शर्मिला सक्सेना, प्रो. कमलेश रवि, प्रो. अश्विनी शर्मा, लकी टोंक, विजय, पूजा, प्रीति, नीलम सहित छात्र-छात्राएँ मौजूद रहे। संयोजन और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. प्रेम शंकर ने किया।

अन्तिम दिन के कार्यक्रम की शुरुआत 'रवीन्द्र नाथ ठाकुर : साहित्य और चित्रकला' विषय पर परिचर्चा से शुरू हुई। मुख्य वक्ता चित्रकार अशोक भौमिक ने कहा कि हिन्दुस्तान में और दुनिया भर में रवीन्द्र ठाकुर का कवि व्यक्तित्व इतना प्रभावी रहा है कि उनके चित्रकार पक्ष को कवि का विस्तार ही मान लिया जाता है जबकि वे उतने ही महत्त्वपूर्ण चित्रकार भी थे। यह जरूर है कि रवीन्द्र नाथ ठाकुर ने चित्रकला की शुरुआत अपनी कविता लिखने के क्रम में की। वे कविता के अनपेक्षित शब्दों को मिटाने के लिए आकृति में ढाल देते थे, इस तरह से 'इरेजन' से चित्रकला की शुरुआत कर दो हजार से ज्यादा चित्र टैगोर ने बनाये।

'भारतीय मूर्तिकला का नायाब पक्ष' पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि बेशक मूर्तिकला का विकास मन्दिरों से हुआ पर उसमें देवी-देवताओं के बजाय जनजीवन, प्रकृति, वन्य जीवों तथा सृष्टि के अन्य मानवेतर जीवों की भी उपस्थिति है।

आगे परिचर्चा को बढ़ाते हुए जनमत पत्रिका के सम्पादक रामजी राय ने कहा कि एक व्यापक प्रभाव के निमित्त रवीन्द्र नाथ ने किसी आख्यान, पौराणिक चरित्र आदि को अपनी चित्रकला का आधार नहीं बनाया बल्कि सामान्य जनजीवन, चिड़िया, फूल, लैंड स्केप आदि के जरिए अपने मनोभावों को विस्तारित किया। इस चर्चा को रंगकर्मी अनिल शुक्ल, विजय शर्मा, प्रियम अंकित, राजगोपाल वर्मा, उमाकान्त चौबे आदि ने अपनी उपस्थिति से समृद्ध किया।

इस अवसर पर स्वाति भौमिक सहित सैकड़ों छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे। संचालन मीनाक्षी ठाकुर ने किया और धन्यवाद डॉ. रंजना पांडे ने किया। इस दो दिवसीय आयोजन का संयोजन टूरिज्म एवं हास्पिटैलिटी मैनेजमेंट के को-ऑर्डिनेटर डॉ. प्रेम शंकर द्वारा किया गया।

हिन्दी नाट्य महोत्सव-2018

हिन्दी नाट्य विधा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट के हिन्दी विभाग द्वारा दीक्षान्त सभागार में 29 से 31 अक्टूबर, 2018 तक तीन दिवसीय हिन्दी नाट्य महोत्सव के अन्तर्गत अन्तरसंस्थानीय हिन्दी नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें डी.ई.आई. के विभिन्न संकायों सहित आगरा की शिक्षण संस्थाओं के विद्यार्थियों ने नाटकों का मंचन किया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों के व्यक्तित्व-विकास को प्रोत्साहित करना था। रंगमंच में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों ने अनेक ज्वलंत सामाजिक मुद्दों को नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से उठाया। 29 अक्टूबर, 2018 को डी.ई.आई. के कला संकाय की छात्राओं ने 'याज्ञसेनी' नाटक के माध्यम से द्रौपदी के जीवन की कथा को मंचित किया एवं विज्ञान संकाय की टीम ने 'आज़ाद परिन्दे' नाटक के माध्यम से मौजूदा सामाजिक समस्याओं को प्रस्तुत करते हुए दर्शाया कि आज़ादी हासिल होने के 70 वर्षों के बाद भी हमारा समाज समस्याओं से आज़ाद नहीं हो पाया है। 30 अक्टूबर, 2018 को डी.ई.आई. के शिक्षा संकाय के विद्यार्थियों ने 'सत्यवादी राजा हरिश्चन्द्र' नाटक के माध्यम से राजा हरिश्चन्द्र की सत्यवादिता को मंचित किया। सेंट पीटर्स कॉलेज के छात्रों ने 'अमिट लालसा' नाटक द्वारा दर्शाया कि जब मनुष्य के मन पर स्वार्थ एवं लालच हावी हो जाता है तब वह अपना विवेक खो बैठता है। डी.ई.आई. के वाणिज्य संकाय की टीम ने 'इन्तज़ार कब तक' नाटक द्वारा वर्तमान समाज की ज्वलन्त समस्या-युवा पीढ़ी एवं पुरानी पीढ़ी में सामंजस्य की समस्या को प्रस्तुत किया। प्रेम विद्यालय गर्ल्स इंटरमीडिएट कॉलेज की छात्राओं ने 'आहत संस्कृति' नाटक के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं उसकी पीड़ा को प्रस्तुत करने हेतु संस्कृति का मानवीकरण करते हुए भारतीय संस्कृति के पुनरुत्थान की कामना की। 31 अक्टूबर, 2018 को आर.बी.एस. कॉलेज के विद्यार्थियों ने 'शम्बूक' नाटक के माध्यम से रामराज्य काल की शासन-व्यवस्था में समाज के निम्न वर्ग के जीवन एवं अधिकारों के संघर्ष को प्रदर्शित किया। डी.ई.आई.

के अभियांत्रिकी संकाय की टीम ने 'उरुभंगम्' नाटक द्वारा दुर्योधन को नायकीय गुणों से युक्त चरित्र के रूप में दर्शाया। इस नाटक में दुर्योधन अपने भूतकाल पर पछताते हुए युद्ध की व्यर्थता का अनुभव करता हुआ चित्रित किया गया। सुमित राहुल गोयल मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों ने 'कृष्ण गीता उपदेश' नाटक द्वारा सन्देश दिया कि मनुष्य को बिना किसी फल की इच्छा रखते हुए समाज के हित को ध्यान में रखकर कर्म करना चाहिए। आर.ई.आई. इंटरमीडिएट कॉलेज के छात्रों ने 'पश्चात्ताप' नाटक के माध्यम से वर्तमान समाज की ज्वलन्त समस्या-युवा पीढ़ी द्वारा बुजुर्गों की अवहेलना को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अन्त में डी.ई.आई. की कोषाध्यक्ष श्रीमती स्नेह बिजलानी ने पुरस्कार वितरण किया। विद्यालय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति का पुरस्कार सेंट पीटर्स कॉलेज की टीम को प्राप्त हुआ एवं विश्वविद्यालय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति का पुरस्कार डी.ई.आई. के अभियांत्रिकी संकाय की टीम को प्राप्त हुआ। डी.ई.आई. के निदेशक प्रो. प्रेमकुमार कालड़ा ने हिन्दी नाटक प्रतियोगिता के निर्णायकों एवं आगरा के सुप्रसिद्ध रंगकर्मियों श्री अनिल शुक्ल, श्री उमेश अमल एवं श्री विनय पतसारिया को स्मृति चिह्न भेंट किए। इस अवसर पर डी.ई.आई. के कला संकाय प्रमुख प्रो. जे.के. वर्मा, हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. शर्मिला सक्सेना, प्रो. कमलेश कुमारी रवि, डॉ. सुमन शर्मा, डॉ. नमस्या, डॉ. सूरज प्रकाश, डॉ. बृजराज सिंह, डॉ. रंजना पांडे आदि मौजूद थे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. दयाल प्यारी सिन्हा ने किया।

युवा संसद 2018

दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट के अन्तर्राष्ट्रीय सभागार में 31 अक्टूबर, 2018 को प्रातः 10.30 बजे विराजमान थी युवा संसद, जिसमें मंत्रिमण्डल के साथ-साथ मौजूद था विपक्ष और साथ में थे ज्वलन्त मुद्दे जिनका वायदा सरकार द्वारा पूर्व में किया जा चुका था लेकिन वह अभी तक पूर्ण क्यों नहीं हो पाये? जिसका तर्क सहित जवाब दे रहे थे देश के युवा मंत्री।

संकाय प्रमुख, स्कूल ऑफ कम्प्यूटर एण्ड सिस्टम साइंस, जे.एन.यू. के प्रो. कर्मेशु ने युवा सांसदों को उनकी बेबाक टिप्पणी पर हृदय से बधाई दी।

चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, पटना के चाइल्ड राइट्स सेन्टर के निदेशक प्रो. एस. पी. सिंह ने अपने उद्बोधन में संसद में युवा मंत्रियों द्वारा संतोषजनक जवाबों एवं विपक्ष द्वारा उठाये गये ज्वलन्त मुद्दों की सराहना की।

पूर्व मंत्री डॉ. ओमपाल सिंह ने अपने उद्बोधन में युवा छात्र-छात्राओं द्वारा ज्वलन्त मुद्दों को उठाने और उनको हल करने के तरीकों की तारीफ करते हुए कहा कि इन्हीं युवाओं के कंधों पर देश का भविष्य है।

प्रो. रामशंकर कठेरिया, चेयरमेन, नेशनल कमिश्नर, अनुसूचित जाति, नई दिल्ली, भारत सरकार ने संसद की भूरि-भूरि प्रशंसा की। निर्णायक मण्डल को संस्थान के निदेशक प्रो. पी. के. कालड़ा द्वारा मोमेंटो प्रदान किया गया और संस्थान में उनकी गरिमामयी उपस्थिति के लिये धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर संस्थान की कोषाध्यक्ष, श्रीमती स्नेह बिजलानी, प्रो. जे. के. वर्मा, प्रो. एल. डी. खेमानी, प्रो. एस. के. चौहान आदि उपस्थिति थे। आयोजक मण्डल में प्रो. नन्दिता सत्संगी के साथ-साथ डॉ. सोना आहूजा, डॉ. रूपाली सत्संगी, डॉ. लौलीन मल्होत्रा, डॉ. निशीथ गौड़, डॉ. मयंक अग्रवाल, श्री वी. प्रेम कुमार, श्री इशांत सिंघल, श्री बजरंग भूषण, श्री विनोद खोबरागड़े, श्री बृजराज सिंह, सुश्री रचना गुप्ता आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद डॉ. कविता रायज़ादा एवं पूर्णिमा भटनागर ने किया।

अंग्रेजी नाट्य महोत्सव

अंग्रेजी विभाग, डी.ई.आई. द्वारा आयोजित वार्षिक अंग्रेजी नाट्य महोत्सव का आयोजन इस वर्ष 12-14 नवम्बर, 2018 को किया गया। यह बहुप्रतीक्षित आयोजन, डी.ई.आई. द्वारा आगरा जिले के स्कूल और कॉलेज के छात्रों की उत्साही भागीदारी के लिए जाना जाता है, जो कि संस्थान के दीक्षांत समारोह हॉल में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम छात्रों के लिए अपने कार्यक्रम प्रबन्धन कौशल का उपयोग करने और शक्तिशाली नाटकीय माध्यम से अपने रचनात्मक और नाटकीय कौशल को तेज करने के लिए एक लोकप्रिय मंच बन गया है। पांच स्कूलों और छह संकायों (डी.ई.आई.) ने क्रमशः प्रतियोगिता के स्कूल और कॉलेज श्रेणियों में भाग लिया। महोत्सव के तीन दिनों में बड़ी संख्या में नाट्य प्रेमियों ने शिरकत की और छात्रों के प्रदर्शन की सराहना की। प्रो. डी. एन. सेसनवाल संकाय प्रमुख, शिक्षा विभाग, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर इस आयोजन के समापन दिवस पर मुख्य अतिथि थे। उन्होंने छात्रों के साथ-साथ आयोजन संगठन की सराहना की और दर्शकों के साथ अपने विचार साझा किये। इस वर्ष जूरी में प्रख्यात व्यक्तित्व शामिल थे, सुश्री रेनू दत्ता बैकुण्ठी देवी कन्या महाविद्यालय, आगरा से प्रो. गुंजन चतुर्वेदी वरिष्ठ भारतीय जन नाट्य संघ के सक्रिय सदस्य श्री मानस

रघुवंशी। इस वर्ष के पुरस्कार विजेताओं की सूची–

विद्यालय स्तर–सर्वश्रेष्ठ निर्माण, अनुकरणीय प्रदर्शन, सर्वश्रेष्ठ निर्देशन, सर्वश्रेष्ठ दृश्य–श्रव्य प्रभाव के लिए प्रेम विद्यालय गर्ल्स इण्टर कॉलेज को पुरस्कृत किया गया। सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री एवं सहायक अभिनेत्री के लिए सेंट पेट्रिक्स की छात्राओं क्रमशः दीपशिखा बंसल, और हिमान्या सहगल को पुरस्कृत किया गया। सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, सहायक अभिनेता सेंट क्लेयर्स के छात्र सृजन जग्गी एवं सेंट पीटर्स के प्रणव महाजन को पुरस्कृत किया गया। सर्वश्रेष्ठ मंच प्रबंधन का पुरस्कार सुमित राहुल मेमोरियल स्कूल को प्राप्त हुआ।

कॉलेज एवं संकाय स्तर–सर्वश्रेष्ठ निर्माण, अनुकरणीय प्रदर्शन (मेहर मिश्रा) का पुरस्कार अभियांत्रिकी संकाय को प्राप्त हुआ। सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (यश अल्वाधी), सर्वश्रेष्ठ निर्देशन, सर्वश्रेष्ठ दृश्य–श्रव्य प्रभाव, सहायक अभिनेत्री (दया कुमारी), सर्वश्रेष्ठ सूत्रधार (आरती बी.) के लिए विज्ञान संकाय पुरस्कृत किया गया। सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री (अंतरा प्रकाश), सर्वश्रेष्ठ प्रतिरूपक (प्रीति कुमारी) के लिए समाज विज्ञान संकाय एवं शिक्षा संकाय, सर्वश्रेष्ठ मंच प्रबंधन एवं सहायक अभिनेता (एस. निहारिका) के लिए क्रमशः वाणिज्य संकाय एवं कला संकाय को पुरस्कृत किया गया।

आगरा : पर्यटन की चुनौतियाँ, संभावनाएँ और सुझाव

17–18 नवम्बर 2018, दयालबाग़ एजुकेशनल इन्स्टीट्यूट कला संकाय के बी.वॉक टूरिज़्म और हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट कोर्स की ओर से आयोजित संगोष्ठी आगरा और आसपास के पर्यटन की चुनौतियाँ, संभावनाएँ और सुझाव सत्र और सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ तीन दिवसीय आयोजन सम्पन्न हुआ। डॉ. हरिओम, अध्यक्ष सामान्य प्रशासन एवं बहुविख्यात पत्रकार ओम थान्वी एवं श्री मंगलेश धबराल के प्रभावी वक्तव्यों से कार्यक्रम का आरंभ हुआ। रेलवे सुरक्षा उपायुक्त आईपीएस अधिकारी शादान जेब खान ने अपने संबोधन को मुख्यतौर पर पर्यटक सुरक्षा और पर्यटन से जुडे अपराधों पर केंद्रित करते हुए कहा कि पर्यटकों से जुड़े हुए अपराध को कागजी आंकड़ों से समझा नहीं जा सकता। कागज पर जो चीजें हैं उन्हें अमली जामा पहनाने के लिए बहुत काम करना बाकी है।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए महात्मा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा के स्त्री अध्ययन केन्द्र की डॉ. अवंतिका शुक्ला ने पर्यटन के क्षेत्र में महिलाओं की स्थिति पर बात की और महिला पर्यटन को बढ़ावा देने की बात कही। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए आर. बी. एस. टेक्नीकल कॉलेज के डी. एस. यादव ने भी आगरा के पर्यटन के मौजूदा हालात पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि यहाँ सांस्कृतिक पर्यटन के विकास की अपार संभावनाएँ हैं जिनका समुचित उपयोग किया जाना बाकी है।

संगोष्ठी के अध्यक्ष स्फीहा के अध्यक्ष और पर्यटन तथा होटल मैनेजमेन्ट विशेषज्ञ श्री राजीव नारायन ने कहा कि पर्यटन के मूल्यों और व्यावसायिक दृष्टिकोण के बीच जरूरी संतुलन बनाना आवश्यक है।

दिल्ली से आए अवधेश त्रिपाठी ने कहा कि फूल वालों की सैर मेले और आयोजन आपसी भाईचारे का संदेश देने वाले

थे 1813 में शुरू हुई फूल वालों की सैर में स्थापत्य कला, मौखिक साहित्य, रीति–रिवाज, इतिहास आदि कला रूपों और संस्थाओं का समावेश है और इसके हर पक्ष के बारे में पर्यटन का विकास किया जा सकता है। लवकुश पांडे जी ने कहा कि पर्यटन सोच को सही सूचना देनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि गाइड को विभिन्न कला रूपों का प्रशिक्षण लेना चाहिए। आर. के. पाल ने कहा कि मुगलों ने साझी संस्कृति का विकास इसलिए किया ताकि वह इस देश में अपनी जड़ों को गहराई तक ले जा सके, कवि अरुण आदित्य ने कहा कि पर्यटन और संस्कृति का वही सम्बन्ध है जो फूल और हवा के झोंके में होता है। ब्रज क्षेत्र के प्रतिष्ठित रंगकर्मी अनिल शुक्ल ने कहा कि टूरिज़्म सरकार और आम लोगों के परस्पर सहयोग से विकसित होता है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत डी.ई.आई. के देवादित्य चक्रवर्ती ने सितार और भानुप्रताप ने तबला वादन प्रस्तुत किया जबकि राहुल निबेरिया ने गजल और दरश आधारी और ओस सतसंगी तथा अन्य छात्राओं ने राजस्थानी लोकगीत की मोहक प्रस्तुति की। संगीत संयोजन संगीत विभाग के प्रो. रवि भटनाकर ने किया। संचालन डॉ. बृजराज ने और धन्यवाद डॉ. प्रेम शंकर ने किया।

ग़ालिब आगरा की सांस्कृतिक विरासत

27 दिसम्बर 2018, दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के कला संकाय की ओर से आयोजित ग़ालिब जयंती समारोह के मुख्य अतिथि के बतौर बोलते हुए प्रसिद्ध कवि असद जैदी ने कहा ग़ालिब आज के कवियों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। ग़ालिब का होना इस बात का सुबूत है कि बुरे हालात में कवि हाथ पर हाथ धर कर नहीं बैठ जाता। हिन्दी कविता की पूरी परम्परा में मीर, ग़ालिब, नज़ीर इस तरह बसे हुए हैं कि उनके बगैर भारतीय साहित्य की संकल्पना पूरी नहीं होती। ग़ालिब को लेकर कई तरह की अफवाह भी अकादमिक हलकों में जानबूझकर फैलाई गई है। उसमें एक से एक है कि वे काफी समृद्ध घराने से आते हैं इसीलिए आम जीवन के संघर्ष वहाँ नहीं दिखते। ग़ालिब के जीवन काल में उनकी वर्गीय श्रेष्ठता खत्म हो चुकी थी। ग़ालिब एक अनाथ बालक थे वे एक ऐसे परिवार में पले थे जो कभी सम्पन्न रहा होगा पर खुद ग़ालिब का जीवन गर्वीली गरीबी में जीने वाले समाज का हिस्सा था।

गोष्ठी की अध्यक्षता बस्ती से आए प्रख्यात कवि अष्टभुजा शुक्ला ने की उन्होंने गंगा जमुनी तहजीब के शायर के बतौर ग़ालिब के महत्त्व को रेखांकित किया और कहा कि सतह पर गंगा-जमुना के जल को मिलते हुए तो देखा जा सकता है पर अंदर ही अंदर कितना पानी एक-दूसरे में दोनों को मिला है उसकी कल्पना नहीं की जा सकती है। आज शुद्धतावाद की ओर देश को जानबूझकर धकेला जा रहा है लेकिन देश की सांस्कृतिक विरासत से न ताज को बेदखल किया जा सकता है न ग़ालिब को। ग़ालिब आदमी को भी इंसान बनाने की जिद के शायर हैं। वे हमारी चेतना का हिस्सा है।

दूसरे सत्र में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।

कवि सम्मेलन की शुरुआत इलाहाबाद के मशहूर शायर एहतेराम इस्लाम के रचना पाठ से हुई। अपनी गजलों और नज्मों के प्रवाह में वे देर तक श्रोताओं को गोता लगवाते रहे। उन्होंने पढ़ा कि-'उसका भाषण था कि मक्करी का जादू एहतेराम/मैं कमीना था कि बुजदिल मुग्ध स्रोताओं में था।' असद जैदी ने सामान की तलाश, आसिफा की याद में आदि कविताएँ पढ़ी। अष्टभुजा शुक्ला ने माँ, गणित के कुछ सवाल और पद-कुपद संग्रह से कविताएँ पढ़ी। शोधार्थी राजवीर और आगरा के प्रसिद्ध शायर अमीर अहमद जाफरी ने रचना पाठ किया। स्वागत डॉ. प्रेम शंकर ने धन्यवाद प्रो. शर्मिला सक्सेना ने किया। संचालन डॉ. नमस्या ने किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय आयुक्त आर. के. पाल, अरुण, परवेज अहमद, डॉ. सुमन शर्मा, डॉ. दयाल प्यारी सिन्हा, पूजा यादव, अरविंद सहित सैकड़ों छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

मूल्य और गुणवत्ता दिवस

पांचवां वार्षिक 'मूल्य और गुणवत्ता दिवस' 7 नवम्बर, 2018 को दयालबाग़ शिक्षण संस्थान में बढ़े उल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य कार्यक्रम डी.ई.आई. क्वांटम नैनो प्रौद्योगिकी पार्क में आयोजित किया गया था। इसका सीधा प्रसारण डी.ई.आई. के सभी केन्द्रों में प्रसारित किया गया। आर.ई.आई. इण्टर कॉलेज में कविता पाठ प्रतियोगिता के विजेताओं और डी.ई.आई. प्रेम विद्यालय और इण्टर इन्स्टीट्यूट भक्ति संगीत प्रतियोगिता के विशेष प्रदर्शन भी वहाँ पर आयोजित किये गये।

इस दिन ललित कला और इण्टर इन्स्टीट्यूट एलोक्यूशन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। जिसमें डी.ई.आई. के विभिन्न संकायों के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वार्षिक महोत्सव के दौरान आयोजित मूल्यों की शिक्षा और गुणवत्ता शिक्षण के व्यापक विषय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं के लिए वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया था। विजेताओं की सूची-

पोस्टर मेकिंग-(1) कु. डॉली-बी.एफ.ए. तृतीय वर्ष, (2) अस्तुति-बी.एफ.ए. प्रथम वर्ष, (3) खुशबू सिंह-बी. एफ.ए. तृतीय वर्ष एवं सांत्वना पुरस्कार-विधु तिवारी बी.एफ. ए. प्रथम वर्ष।

कार्टूनिंग-(1) शिवानी गौतम-बी.एफ.ए. तृतीय वर्ष, (2) अन्नू यादव-बी.एफ.ए. द्वितीय वर्ष, (3) शिवानी शर्मा-बी.एफ.ए. द्वितीय वर्ष एवं सांत्वना पुरस्कार-स्तुति बी. एड. द्वितीय वर्ष।

भक्ति संगीत-(1) शिल्पी शर्मा-बी.ए. ऑनर्स, (2) पी. एम. निहारिका बी.ए. द्वितीय वर्ष, (3) आरती सरीन बी.

एड एवं सांत्वना पुरस्कार–डी. अभिलाषा विज्ञान संकाय को प्राप्त हुआ।

हिन्दी भाषण प्रतियोगिता–(1) अभिषेक उपाध्याय–वाणिज्य संकाय, (2) आदित्य विमल शिक्षा संकाय, (3) हिमि जैन वाणिज्य संकाय, एवं सांत्वना पुरस्कार अखिलेश अग्निहोत्री विज्ञान संकाय को प्राप्त हुआ।

अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता–(1) अनन्या अग्रवाल–वाणिज्य संकाय, (2) अमी चोपड़ा–अभियांत्रिकी संकाय, (3) डी. सुरत प्यारी–शिक्षा संकाय।

विशेष कविता प्रस्तुति हिन्दी–अंग्रेजी–विजेता–

आर.ई.आई.–(1) अजीत सिंह, (2) प्रसन्न प्रसाद। प्रेम विद्यालय–(1) निहारिका सिंह, (2) वी. मेघा सरन, (3) कृतिका पाठक, (4) उन्नति गौतम, (5) गीत सत्संगी, (6) आश्ना तनेजा, (7) सुरत भूषण।

प्रो. सरला पॉल और ब्रिगेडियर प्रेमदयाल गुप्ता कार्यक्रम के निर्णायक थे। इस अवसर पर सभी उपस्थित लोगों द्वारा बुनियादी मूल्यों के पालन के निमित्त एक विशेष शपथ भी ली गई। जिससे सौहार्द एवं सहयोग के साथ जीवन का मार्ग प्रशस्त किया जा सके।

कला संकाय

डॉ. निशीथ गौड़ द्वारा वॉल्फसन कॉलेज ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में तेजेन्द्र शर्मा का सौन्दर्यबोध विषय पर मौखिक शोध पत्र प्रस्तुत किया गया एवं हाउस ऑफ कॉमन्स लंदन में भारत एवं ब्रिटेन सम्बन्ध (विशेष संदर्भ ब्रिटिश हिन्दी साहित्य) पर शोध पत्र प्रस्तुत किया गया एवं स्वागत सत्र का संचालन किया। यह अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय लंदन, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय आगरा एवं कथा यू. के. लंदन के संयुक्त तत्वाधान में 15 एवं 16 नवम्बर, 2018 को आयोजित की गयी। उपरोक्त संगोष्ठी में डॉ. निशीथ गौड़ द्वारा हिन्दी सेवी विदुषी सम्मान, कथा यू. के. लंदन 2018 प्राप्त किया गया एवं तेजेन्द्र शर्मा का रचना

संसार आई.एस.बी.एन. 97881.89187.61.3 विनय प्रकाशन, हंसपुरम् कानपुर पुस्तक में शोधपत्र 'तेजेन्द्र शर्मा का सौन्दर्यबोध' प्रकाशित हुआ।

आर. ई. आई. इण्टर कॉलेज

● **2 अक्टूबर, 2018 :** नगर पंचायत स्वच्छता रैली आर. ई. आई. दयालबाग़, आगरा, 50 कैडेटों ने इसमें भाग लिया, उसके साथ माननीय चीफ ऑफीसर लोकेन्द्र सिंह जी तथा हमारे वरिष्ठ कैडेट सी.ए.ओ. अगम स्वरूप सत्संगी, ए. ओ. ज्ञानेन्द्र यादव और ए.ओ. विशाल सिंह ने भी इस रैली में नेतृत्व किया। यह रैली नगर पंचायत दयालबाग़ से डी.ई. आई. तक थी।

● **25 नवम्बर, 2018 :** राष्ट्रीय कैडेट कोर दिवस के अवसर पर स्वच्छता रैली का आयोजन गुरूद्वारे से अकबर समाधि तक हुआ। इस रैली में आर. ई. आई. के 80 कैडेट्स ने भाग लिया। माननीय सी. ओ. श्री लोकेन्द्र सिंह जी के साथ सभी वरिष्ठ कैडेट्स ने भी भाग लिया।

हमारे 5 कैडेट्स ने स्वच्छ भारत की मुहिम के चलते संवाषण गतिविधि की प्रस्तुति दी। जिसमें कैडेट–सुमित सियाल, ए.ओ. ज्ञानेन्द्र यादव ए.ओ. विशाल सिंह ने भाग लिया।

प्रेम विद्यालय

● दिनांक 18 नवम्बर 2018 को डॉ. एम.पी.एस. वर्ल्ड स्कूल में आयोजित स्फीहा संस्था द्वारा हिन्दी निबन्ध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें प्रेम विद्यालय की छात्राओं ने हिन्दी निबन्ध लेखन में भाग लिया।

● सांस्कृतिक मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित क्लासिकल वॉयस संगीत मिलन प्रतियोगिता में गुरू प्रसन्ना प्रथम, आशना तनेजा ने द्वितीय और सात्विकी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

● 14 नवम्बर को विद्यालय में बालदिवस के अवसर पर मेला एवं विज्ञान आधारित प्रदर्शनी लगाई गई। छात्राओं ने विभिन्न चटपटे व्यंजनों की स्टॉल एवं खेलों का आनन्द लिया।

● उत्तर प्रदेश संगीत अकादमी लखनऊ द्वारा आयोजित संभागीय प्रतियोगिता में गुरू प्रसन्ना प्रथम, सात्विकी एवं आशना सूरी ने द्वितीय और धुन सत्संगी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

● सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रार्थना ''सदा अर्श से आई, उठो खेतों पर जाना हो'' कव्वाली प्रस्तुत की।

● डिस्ट्रिक्ट ओलंपिक एसोसिऐशन द्वारा 14जी मून स्कूल ओलम्पिक में 500 मी स्पीड स्केटिंग प्रतियोगिता में निहार सत्संगी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

● विद्यालय का वार्षिकोत्सव खेतों की पुण्य भूमि पर सतगुरू के सानिध्य एवं आशीर्वाद से खेतों में आयोजित किया गया पुरस्कृत छात्राओं को प्रमाणपत्र एवं मेडल प्रदान किए गए।

● स्फीहा द्वारा आयोजित पर्यावरण रक्षण हेतु बच्चों में संज्ञानात्मक विकास हेतु ड्राइंग एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सीनियर वर्ग में अक्षित जैन एवं सलोनी सिंह-III, सुपर सीनियर वर्ग में अनु तिवारी-II रहीं।

● 19.12.2018 से 24.12.2018 शीतकालीन शिविर में प्रेम विद्यालय की 375 छात्राओं ने भाग लिया। विभिन्न खेल-कूद गतिविधियों के साथ विज्ञान, पाक एवं कला आधारित कौशल का विकास के लिए अध्ययन किया गया।

● राजा बरारी फील्ड स्कीप कैंप 14.10.18 से 18.10.18 तक राजा बरारी (म.प्र.) में प्रेम विद्यालय की छात्राओं ने फोटोग्राफी, स्लाइड मेकिंग और क्विज आदि प्रतियोगिताओं में भाग लिया। जिसमें प्रेम विद्यालय की रत्नांजलि में फोटोग्राफी में III, क्विज में दृष्टि गोयल I, स्लाइड मेकिंग में अर्पिता एवं समूह ने प्रथम स्थान हासील किया।

● पी.आई.जी.सी. I में प्रेम विद्यालय की कुल 6 एन.सी.सी. कैडेट्स ने आई.जी.सी. (इंटर ग्रुप कॉम्पिटीशन) में प्रतिभाग किया। कैम्प का प्रथम चरण इटावा में 19 सितम्बर से 25 सितम्बर तक चला जिसमें संगिनी दत्त को संचालन तथा कैडेट पायल कुमारी को तबला वादन के लिए मेडल प्राप्त हुए।

● प्री.आई.जी.सी. II द्वितीय चरण में पनवारी (आगरा) में दिनांक 5.10.18 से 14.10.18 तक कैम्प आयोजित हुआ तथा तृतीय चरण में नोएडा में प्रेम विद्यालय की 3 कैडेट्स ने 14 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक 'चलो कैम्प में' भाग लिया। छात्राओं ने कैम्प के दौरान सामूहिक गान व नृत्य प्रतियोगिताओं में सक्रिय सहभागिता प्रस्तुत की।

● 22.11.18 नेशनल कम्यूनल हारमनी वीक संस्था ने 19 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक चले हारमनी वीक का आयोजन किया, जिसके अन्तर्गत प्रेम विद्यालय में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता सम्पन्न कराई गई।

● नेशनल इंटीग्रेशन अवेयरनेस प्रतियोगिता में कुल 46 छात्राओं ने भाग लिया। परिणाम-जूनियर वर्ग-राधा कुशवाह प्रथम, कीर्ति राजपूत द्वितीय, आशना तनेजा तृतीय। सीनियर वर्ग-आरती कुमारी प्रथम, अनु तिवारी द्वितीय, अनु सत्संगी तृतीय। सांत्वना-महिमा वर्मा, सांत्वना-अंजलि चौधरी, प्री. आई. डी. कैम्प, एन.सी.सी. आर.डी. कैम्प।

● प्रेम विद्यालय की संगिनी दत्त ने प्री. रिपब्लिक डे कैम्प में भाग लिया। संगिनी दत्त ने N.I.A.P. (नेशनल इंटीग्रेशन अवेयरनेस प्रोग्राम) में कैम्प के दौरान प्रतिभाग भी किया।

एन.सी.सी.

गणतन्त्र दिवस कैम्प के लिए चयन

गणतन्त्र दिवस पर दिल्ली में होने वाली विभिन्न गतिविधियों में आगरा ग्रुप के 13 एन.सी.सी. कैडैट्स का चयन हुआ है। इसमें से सर्वाधिक दयालबाग़ शिक्षण संस्थान के 5 कैडेट्स हैं। दयालबाग़ शिक्षण संस्थान के एन.सी.सी. अधिकारी लेफ्टिनेंट मनीष कुमार ने बताया ये लगातार दूसरा मौका है जब एक शिक्षण संस्थान के पाँच कैडेट्स का चयन इस महत्त्वपूर्ण शिविर के लिए हुआ है। सीनियर अंडर ऑफीसर अंकुर वार्ष्णेय, सार्जेंट सूरज गौतम, सार्जेंट शिवम तिवारी तीनों कैडेट्स का चयन राजपथ दस्ते के लिए हुआ है। डी.ई.आई. के छात्र सार्जेंट नवीन भदौरिया और सार्जेंट सचित सिंह का चयन पी एम रैली के लिए किया गया है। सार्जेंट नवीन भदौरिया का चयन हॉल ऑफ फेम के लिए हुआ है। जिसमें वे आगुन्तकों के समक्ष एन.सी.सी. की उपलब्धियों की व्याख्या करेंगे। सार्जेंट सचित सिंह का चयन कैम्प के दौरान होने वाले विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा कैम्प में आने वाले अति विशिष्ट आगुन्तकों के अनुरक्षण के लिए किया गया है। कैडेट्स की मेहनत तथा सफलता के लिए डी.ई.आई. के निदेशक प्रोफेसर पी. के. कालड़ा, डी.ई.आई. टेक्निकल कॉलेज के प्राचार्य श्री वी. पी. मल्होत्रा, लेफ्टिनेंट मनीष कुमार, मेजर प्रीतम सिंह (सेवानिवृत) एन.सी.सी. आगरा के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर संजय सांगवान, डिप्टी ग्रुप कमांडर कर्नल सिकरवार-1 वाहिनी के कमान अधिकारी कर्नल ओ. पी. पाण्डेय, प्रशासनिक अधिकारी मेजर नीरजा सिंह और आगरा कॉलेज के लेफ्टिनेंट अनिल अग्रवाल ने आगरा तथा अपने संस्थान का नाम रोशन करने के लिए शुभाशीष दिए और कैडेट्स की उपलब्धियों की तारीफ करते हुए उनके सफल और मंगल भविष्य की कामना की।

विश्व एड्स दिवस

1 दिसम्बर, 2018 दयालबाग़ शिक्षण संस्थान की एन.सी.सी. इकाई ने अन्तर्राष्ट्रीय एड्स दिवस पर 'एड्स पीड़ितों का करो सम्मान मत करो उनका अपमान' का नारा दिया। इस अवसर पर कैडेट्स ने पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया तथा जागरुकता रैली के माध्यम से दयालबाग़ क्षेत्र की कॉलोनियों तथा मलिन बस्तियों में जाकर स्वरचित नारों से जनजीवन को जागरुक किया। कार्यक्रम की शुरुआत एड्स पर पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता से हुई जिसमें कैडेट्स ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का समापन जागरुकता रैली द्वारा किया गया। रैली के दौरान लगभग 4 किमी. की पदयात्रा जोर-शोर से एड्स के खिलाफ विभिन्न जागरुकता नारों के साथ की गई। इस कार्यक्रम का संचालन अंडर ऑफीसर हर्ष मेहता द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान दयालबाग़ शिक्षण संस्थान के एन.सी.सी. अधिकारी लेफ्टिनेंट मनीष कुमार की उपस्थिति ने कैडेट्स का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कैडेट शिवानी धाकरे, सुरत, मानसी रावत, काजल शर्मा, रजत, शिवम, विवेक, सनी कुमार ने सहयोग किया।

सम्पादकीय मण्डल

संरक्षक	:	प्रो. पी.के. कालड़ा
परामर्शक	:	प्रो. आदित्य प्रचण्डिया
सम्पादक	:	डॉ. नमस्या
सहायक सम्पादक	:	डॉ. सूरज प्रकाश डॉ. निशीथ गौड़
सम्पादन सहयोग	:	डॉ. कविता रायजादा श्री अमित जौहरी
समाचार संयोजक	:	डॉ. अशोक यादव डॉ. अभिमन्यु डॉ. अनीशा सत्संगी डॉ. राजीव रंजन डॉ. वीरपाल सिंह ठेनुआ श्रीमती पल्लवी दुबे श्री मयंक कुमार अग्रवाल श्री मनीष कुमार सुश्री प्रेम प्यारी